आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–15 मार्च 2024 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि फार्मा सेक्टर में उत्तर प्रदेश पहले उपभोक्ता स्टेट था। दवाएं तथा अन्य जरूरी मेडिकल उत्पाद बाहर से आते थे। अब उत्तर प्रदेश फार्मा सेक्टर का उत्पादक और निर्यातक बन जाएगा। इसके लिए सरकार दो हजार एकड़ में फार्मा पार्क बना रही है। यूपी में मेडिकल डिवाइस पार्क भी बन रहा है। इससे फार्मेसी के क्षेत्र में युवाओं को भी व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे।

मुख्मंत्री आज मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चौबीस करोड़ उनहत्तर लाख रुपये की लागत से बनने वाली फार्मेसी बिल्डिंग के शिलान्यास के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत चार हजार विद्यार्थियों को टैबलेट तथा स्मार्टफोन वितरित किया।

श्री योगी ने कहा कि आज से सात साल पहले भी यूपी में सबकुछ था लेकिन आगे बढ़ने के संकल्प का अभाव था। प्रदेश वही है, लोग वही हैं, मशीनरी भी वही है लेकिन कार्य संस्कृति बदली तो परिणाम सबके सामने है। आज उत्तर प्रदेश नया और बदला हुआ नजर आता है।

यह प्रगति और निवेश का प्रदेश बन गया है। यहां हरेक सेक्टर में पर्याप्त अवसर और आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। युवाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में असंभव कुछ भी नहीं है। यह शब्द उनके लिए है जिन्हें कुछ नहीं करना है। जिनके पास सामर्थ्य, विश्वास और साहस है उनके लिए सबकुछ संभव है। उन्होंने कहा कि जहां चुनौतियां होंगी, वहीं संभावनाएं भी होती हैं। संभावनाओं और अवसर से कभी चूकना नहीं चाहिए।

उधर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के मानबेला क्षेत्र में एक हजार आठ सौ अठहत्तर करोड़ की छिहत्तर विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें गोरखपुर विकास प्राधिकरण की अठारह सौ करोड़ की लागत वाली राप्ती नगर विस्तार टाउनशिप एवं स्पोर्ट्स सिटी परियोजना का शिलान्यास भी शामिल है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सिद्धार्थनगर के माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का शिलान्यास किया। साथ ही एक हजार आठ सौ पचासी करोड़ की पांच सौ इक्कावन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के लगातार प्रयासों से सिद्धार्थनगर जनपद के पिछड़ेपन का दंश मिट गया है। अब तक आकांक्षात्मक जनपद की श्रेणी में आने वाला यह जिला अब विकसित जनपद के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जुड़ चुका है और यह संकल्पना विकसित उत्तर प्रदेश से ही साकार होगी। लेकिन, विकसित उत्तर प्रदेश तभी होगा, जब सिद्धार्थ नगर विकसित होगा और इसके लिए भाजपा का होना बहुत जरूरी है।

श्री योगी ने कहा कि यह जिला दशकों से इसीलिए पिछड़ा रहा, क्योंकि न यहां जीवन जीने के लिए बुनियादी सुविधाएं थीं, न ही रोजगार के अवसर। माफिया गरीबों का हक मार जाता था और सरकारी योजनाओं का लाभ जनता को मिलता ही नहीं था।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बलरामपुर जिले में मॉ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला रखने के साथ ही एक हजार चार सौ अठ्ासी करोड़ नवासी लाख की चार सौ छाछठ और श्रावस्ती जिले की दौ सौ साठ करोड़ की इक्कतीस विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि बलरामपुर में विश्वविद्यालय की बात कभी कल्पना थी लेकिन हम आज उसे साकार करने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा और मार्गदर्शन से आकांक्षात्मक जनपदों को विकसित जनपदों की श्रेणी में लाने का प्रयास हो रहा है। बलरामपुर और श्रावस्ती का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां मां पाटेश्वरी की कृपा पूरे क्षेत्र में बरसती है। भारत और नेपाल के श्रद्धालु हर साल बड़ी संख्या में यहां दर्शन करने आते हैं। श्री योगी ने कहा कि जिस श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम के विराजमान होने के गौवरमयी क्षण के हम हाल ही में साक्षी बने है, उसके लिए उन्नीस सौ उनचास से राम जन्मभूमि आन्दोलन की शुरूआत इसी बलरामपुर की धरती से हुई थी यहां लिया गया हर संकल्प अवश्य पूरा होता है।

****

वाराणसी में आज सुबह ग्यारह बजे से लेकर दो बजे तक यातायात व्यवस्था महिला पुलिसकर्मियों के हाथ में रही। सभी चौराहों, प्रमुख बाजारों और धार्मिक स्थलों पर महिला पुलिसकर्मी यातायात व्यवस्था सभांलती दिखीं। वाराणसी की पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट मोहित अग्रवाल की पहल पर महिला पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था का संचालन किया।

****

प्रदेश में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान एक अप्रैल से शुरू होकर तीस अप्रैल तक चलेगा। अभियान के तहत सफाई व्यवस्था के साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी समन्वय बनाकर लोगों को सफाई और जल–जनित बीमारियों के प्रति जागरूक करेंगे। इसी क्रम में आज मिर्जापुर में मुख्य चिकित्साधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिये।

****